कमान क्षेत्र विकास एवं जल प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत सहभागी सिंचाई प्रबन्धन में किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

आज दिनांक 12 दिसम्बर 2008 को इण्डियन नेटवर्क ऑन पार्टीसिपेटरी इरीगेशन मैनेजमैंट (इण्डियन पिम) द्वारा हरियाणा कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत करनाल कैथल, कुरूक्षेत्र तथा पानीपत के किसानों का एक दिवस का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में आयोजित किया गया । प्रशिक्षण का उद्‌घाटन डा0 गुरवचन सिंह निदेशक, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के द्वारा किया गया तथा श्री राकेश चौहान, सुपरिन्टैडिंग इंजीनियर ने अध्यक्षता की।

इस अवसर पर डा0 गुरबचन सिंह जी ने सिंचाई एवं कृषि के क्षेत्र के अनेक मुद्‌दों पर चर्चा करते हुए इस बात पर बल दिया कि गंभीर समस्याओं का हल सरकार से नहीं बल्कि ग्रांस रूट स्तर से होता है। उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसानों को जानकारी उपलब्ध कराना है। यह कार्य इण्डियल पिम बखूबी कर रहा है जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए । उन्होंने कहा कि अब पानी के Multiple use करने का समय आ गया है। पानी की कमी को देखते हुये उसी पानी का पुनः प्रयोग (Recycling) करना होगा इसके द्वारा 2 एकड़ तक की जमीन वाले किसान को 3 लाख रुपये खर्च कर तीसरे वर्ष से रु0 1000/– प्रतिदिन की आमदनी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने किसानों को सयलाह दी कि पुराने तरीके से खेती करना आगे संभव नहीं होगा। क्योंकि हमें जमीन पानी और वातावरण में होने वाले परिवर्तन पर विशेष ध्यान देना होगा और नियमित रुप से पानी की मात्रा एवं गुणवत्ता का रिकार्ड रखना होगा और उससे होने वाले नुकसान से बचने के लिये सावधान होकर वैज्ञानिकों की सलाहनुसार खेतों करनी होगी। श्री राकेश चौहान, डा0 उस.के. गुप्ता, प्रोजैक्ट कोरडिनेटर और डा. के.एल. बगा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कृषकों को सरकारी तंत्र से जुड़ने की सलाह दी। इण्डियन पिम के सचिव श्री वाई.डी. शर्मा द्वारा जल उपभोक्ता समितियों को दीर्घजीवी बनाने के व्यावहारिक सुझाव दिये गये। अन्तिम सूत्र में उन्होंने किसानों को एक उत्कृष्ट जीवन जीने के गुर भी सिखाये । इस कार्यक्रम में श्री तरूण अग्रवाल, कार्यकारी अभियन्ता, काडा करनाल द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया। इस प्रकार के प्रशिक्षणों के श्रृंखलाबद्ध रूप से पूरे हरियाणा में आयोजित करने की योजना इण्डियन पिम द्वारा बनाई गई है। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए श्री वाई.डी.शर्मा ने सी.एस.एस.आर.आई. करनाल एवं उनके निदेशक महोदय एवं वैज्ञानिकों सहित सभी का हार्दिक धन्यवाद किया ।